07.10.18 की मुरली से '108 स्वमान की माला'

(रिवाइज: 22.01.84)

"नामीग्रामी सेवाधारी बनने की विधि"

1. एक टिक जगता हुआ दीपक हूं।

2. अचल निर्विघ्न दीपक हूं।

3. अपनी ज्योति से विश्व को रोशनी देने वाला हूं।

4. विश्व की सर्व आत्माओं के अज्ञान आवरण को मिटाने वाली आत्मा हूं।

5. अंधकार में भटकने वाली आत्माओं को ज्ञान की रोशनी देने वाली आत्मा हूं।

6. बाप से कनेक्शन जुड़वाने वाली आत्मा हूं।

7. मैं शक्तिशाली आत्मा हूं।

8. मैं लाइट हाउस हूं।

9. मैं माइट हाउस हूं।

10. मैं नॉलेजफुल आत्मा हूं।

11. मैं पावरफुल आत्मा हूं।

12. मैं सक्सेसफुल आत्मा हूं।

13. मैं सफलता स्वरूप आत्मा हूं।

14. मैं विजय का मैडल लेने वाली आत्मा हूं।

15. मैं रूहानी योद्धा हूं।

16. मैं सेवा के मैदान पर विजय का झण्डा लहराने वाली आत्मा हूं।

17. मैं विजयी आत्मा हूं।

18. मैं बाप द्वारा स्नेह, सहयोग, समीपता, सम्पूर्णता के विजयी मैडल्स प्राप्त करने वाली आत्मा हूं।

19. मैं मैडल्स के नशे में रहने वाली आत्मा हूं।

20. मैं नवीनता का विशेष कार्य करने वाली आत्मा हूं।

21. मैं हर विशेष कार्य में विजय का मैडलधारी आत्मा हूं।

22. मैं रूहानी नशे में रहने वाली आत्मा हूं।

23. मैं नाम के नशे से मुक्त हूं।

24. मैं निमित्त और निर्माण हूं।

25. मैं विजय का तिलकधारी हूं।

26. मैं अधिकार के अखुट खजाने से सम्पन्न हूं।

27. मैं महादानी आत्मा हूं।

28. मैं दान पुण्य करने वाली आत्मा हूं।

29. मैं सदा सन्तुष्ट रहने वाली विजयी आत्मा हूं।

30. मैं कमजोरियों को स्वाहा करने वाली आत्मा हूं।

31. मैं सदा शक्तिशाली आत्मा हूं।

32. मैं सदा अचल आत्मा हूं।

33. मैं सदा ज्ञान रोशनी द्वारा अंधकार को मिटाने वाला दीपक हूं।

34. मैं हर समय सेवा की विशेषता में विशेष पार्ट बजाने वाली आत्मा हूं।

35. मैं बाप द्वारा सर्व प्राप्त हुए मैडल्स को धारण करने वाली आत्मा हूं।

36. मैं सदा विजय निश्चित के निश्चय में रहने वाली आत्मा हूं।

37. मैं अविनाशी विजय के तिलकधारी हूं।

38. मैं सदा सर्व प्राप्तियों से सम्पन्न हूं

39. मैं साकार पालना का पला हुआ अनुभव करने वाला वैल्युबल रत्न हूं।

40. मैं अनुभवी आत्मा हूं।

41. मैं वरदानी आत्मा हूं।

42. मैं अनेक आत्माओं की पालना करने वाली आत्मा हूँ।

43. मैं औरों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने वाली आत्मा हूं।

44. मैं सागर के भिन्न-भिन्न सम्बन्ध की लहरों में, अनुभवों की लहरों में लहराने वाली आत्मा हूं।

45. मैं एकॉनामी के निमित्त आत्मा हूं।

46. मैं समय प्रमाण सहयोगी आत्मा हूं।

47. मैं सभी को मिलाने वाली श्रेष्ठ आत्मा हूं।

48. मैं अनेक आत्माओं का बाप से मिलन मनाने वाली आत्मा हूं।

49. मैं नाज़-नखरे करने से मुक्त आत्मा हूँ।

50. मैं मेहनत लेने से मुक्त आत्मा हूं।

51. मैं मेहनत देने वाली आत्मा हूं।

52. मैं कम्पलेन्ट करने से मुक्त हूं।

53. मैं कम्पलीट रहने वाली आत्मा हूं।

54. मैं सदा खुशखबरी के समाचार देने वाली आत्मा हूँ।

55. मैं मायाजीत आत्मा हूं।

56. मैं मास्टर टीचर आत्मा हूँ।

57 मैं उमंग-उत्साह में रहने वाली आत्मा हूं।

58. मैं चक्रवर्ती आत्मा हूँ।

59. मैं आत्माओं को समीप लाने वाली आत्मा हूं।

60. मैं मुहब्बत से मेहनत करने वाली आत्मा हूं।

61. मैं बापदादा के सिर का ताज हूं।

62. मैं हिम्मतवान आत्मा हूं।

63. मैं बेपरवाह बादशाह आत्मा हूं।

64. मैं मास्टर प्रेम का सागर हूं।

65. मैं मास्टर शान्ति का सागर हूं।

66. मैं शान्त प्रिय आत्मा हूं।

67. मैं प्रेम स्वरूप आत्मा हूं।

68. मैं रहमदिल आत्मा हूं।

69. मैं शांतिदाता आत्मा हूं।

70. मैं दिलशिकस्त को दिलखुश बनाने वाली आत्मा हूं।

71. मैं नि:स्वार्थ सच्चा स्नेही हूं।

72. मैं शान्ति और सुखमय दुनिया की मालिक आत्मा हूँ।

73. मैं सर्व आत्माओं को सच्चे स्नेह के सूत्र में बांधने वाली आत्मा हूं।

74. मैं ड्रामा की भावी पर अटल अचल रहने वाली आत्मा हूं।

75. मैं नई रचना का फाउन्डेशन स्टोन हूं।

76. मैं नई दुनिया का आधारमूर्त हूं।

77. मैं बापदादा का लाडला सिकीलधा मीठा बच्चा हूं।

78. मैं बापदादा के दिल की आवाज हूं।

79. मैं रूहानी स्नेह की सूरत हूं।

80. मैं बापदादा के स्नेह के झूले में झुलने वाली आत्मा हूं।

81. मैं सदा जीते , बढ़ते, उड़ते रहने वाली सदा सफल आत्मा हूं।

82. मैं बाप समान अपरम-अपार महिमाधारी हूं।

83. मैं सदा एक लगन, एक उमंग एक दृढ़ संकल्प में रहने वाली आत्मा हूं।

84. मैं विश्व की सर्व आत्माओं को शान्ति का सन्देश देने वाली आत्मा हूं।

85. मैं महान आत्मा हूँ।

86. मैं सदा बापदादा की दिल पर रहने वाली आत्मा हूं।

87. मैं मधुबन का श्रृंगार हूं।

88. मैं सदा दृढ़ संकल्पधारी आत्मा हूँ।

89. मैं सफलता का सितारा हूं।

90. मैं सदा बापदादा की दिलतख्तनशीन आत्मा हूं।

91. मैं सदा याद और सेवा की लगन में मगन रहने वाली आत्मा हूं।

92. मैं विश्व को सदा के लिए नई रोशनी नई जीवन देने वाली आत्मा हूं।

93. मैं सर्व को सच्चे स्नेह का अनुभव कराने वाली आत्मा हूं।

94. मैं स्नेही सहयोगी आत्मा हूं।

95. मैं बापदादा की निरन्तर साथी आत्मा हूँ।

96. मैं दिव्य जीवनधारी आत्मा हूं।

97. मैं दिव्य संकल्पधारी आत्मा हूं।

98. मैं दिव्य बोल बोलने वाली आत्मा हूं।

99. मैं दिव्य कर्म करने वाली दिव्य मूर्ति हूं।

100. मैं दिव्यताधारी संगमयुगी ब्राह्मण हूं।

101. मैं श्रेष्ठ श्रृंगारधारी आत्मा हूं।

102. मैं हर कर्म में साधारणता से परे रहने वाली आत्मा हूं।

103. मैं दिव्यता की अनुभूतियां कराने वाली आत्मा हूं।

104. मैं दिव्य जन्मधारी ब्राह्मण हूं।

105. मैं ज्ञान की धनी आत्मा हूं।

106. मैं धन को भी सेवा में लगाने वाली आत्मा हूं।

107. मैं दिल से सदा पाना था सो पा लिया... का गीत गाने वाली आत्मा हूं।

108. मैं सदा खुशनुम: रहने वाली आत्मा हूं।

<u>ओम शान्ति</u>